फिशरमैन जो गरीब छोटे फिशरमैन हैं, ट्रेडीशनल हैं, मर्कैनाइज्ड फिशरमैन हैं वे 23 नवंबर से अपना धंधा, रोज़गार बंद करने जा रहे हैं, क्योंकि अपनी सरकार ने ज्वाइंट वेंचर में 130 बड़ी-बड़ी कंपनियों को फिशिंग करने का, डीप से फिशिंग करने का लाइसेंस इश्यू कर दिया है। उनके खिलाफ ये लोग अपनी मांग उठा रहे हैं कि यह जो डीप सी फिशिंग का लाइसेंस दिया है वे लोग समुद्र में नज़दीक आकर, उनको दो सौ किलोमीटर की पार फिशिंग करने का है उसकी वजह यह ज्वाइंट वेंचर के जो लाइसेंस दिए गए हैं वे लोग नज़दीक आकर फिशिंग करते हैं। छोटे-छोटे जो फिशरमैन हैं उनकी बोट का नुकसान करते हैं, बड़ी मात्रा में वे फिश ले जाते हैं और जो छोटे-छोटे फिशरमैन हैं उनको कुछ भी मिलता नहीं है। ऐसा मालूम चल रहा है, 75 लाख लोग इस धंधे में पड़े हुए हैं और जो अभी भी यह मसला आगे बढ़ा तो ये फिशरमैन अपना धंधा छोड़ कर और कोई धंधा उनके पास है नहीं, इसी वजह से ये लोग अपना विरोध, सरकार के पास एक साल से मांग कर रहे है कि जो लाइसेंस उन्हें दिए गए हैं वे लाइसेंस रद्द किए जाएं। मैडम, मैं एक बात और जोड़ना चाहता हूं कि जो जॉइंट वेंचर्स के फिशरमेन यहां आते हैं, वे अपनी वोट पर भारतीय ध्वज लगाते हैं। कई बार पाकिस्तान की वोट पर कच्छ में वह अपना ध्वज लगाकर यहां घुस जाते हैं और यहां से स्मगलिंग होती है। इसलिए मेरी सरकार से यह मांग है कि डीप सी फिशिंग के लिए कोई रेगुलेशन बनना चाहिए। जो लायसेंस उनको दिए गए हैं, वह रद्द किए जाने चाहिए। दूसरे अपने जो गरीब फिशरमेन हैं, उनको कुछ भी सुविधा नहीं मिल रही है। इसलिए राज्य सरकार और केन्द्र सरकार की ओर से उनको सुविधा दी जानी चाहिए। उनके कई एसोसिएशंस पिछले एक साल से सरकार के सामने अपनी मांग उठा रहे हैं। उन पर सरकार ध्यान दे वरना 23 नवम्बर से वह अपना काम-धंधा बंद करने जा रहे है। इस संबंध में यह मेरी मांग है।

उपसभापति: श्री भूपेन्द्र सिंह मान। मान साहब, आप ज़रा संक्षेप में बोलिए, मुझे हाउस एड्जॉर्न करना है।

श्री अनन्तराम जायसवाल (उत्तर प्रदेश): **

उपसभापति: अभी एसोसिएशंस मैंने अलाउ नहीं किए हैं Jaiswalji, I am not allowing.

SHRI ANANT RAM JAISWAL: **

THE DEPUTY CHAIRMAN: This is not the way. I am not allowing. ...र का ध्यान खींच लिया। एक मेंबर ने खींच लिया। I am not allowing. It is not going on record. It would not go on record. When the Chair sometimes requests Members to be brief, there is some reason. If the Members do not want to oblige, fine, okay, I am sitting have no sense of co-operation at all. मान जी, बोलिए।

Increasing number of land grab cases in Punjab

श्री भूपेन्द्र सिंह मान (नाम निर्देशित):-मैडम, मैं बहुत संक्षेप में बोलूंगा। मैडम, किसी को उसकी जमीन से कानूनी तौर से तो वंचित किया जा सकता है, लेकिन मजबूर करके उससे ले लेना या किसी दबाव से छीन लेने की कोशिश करना, बहुत गलत बात है और यह रोंगटे खड़े करने वाली बात होती है। मैडम, पंजाब में खडूर साहब में गुरु अंगद देव कॉलेज है। मैडम, गुरु अंगद देव कॉलेज आम लोगों की सभा चलाती है और वहां के मंत्री जोकि खडूर साहब से ही हैं, वे इधर-उधर के कई तरीके अपनाकर, उनका पुलिस के साथ भी तालमेल होता है क्योंकि वे मंत्री हैं, उन्होंने दबाव डलना शुरू कर दिया और ऐसे केस बनाने शुरू कर दिए हैं कि वहां जो स्कूल चलाने वाले प्रमुख हैं, उनके बाबा सेवासिंह को उठाना, हरास करना, फिर टैरिस्टए एक्टिविटी की बात है, उनके जो वैहिकल्स हैं उनको घेर लेना, उनको यह कहना कि इनमें आर्म्स-एम्युनेशन आता है, इस तरह से उनको इतना तंग किया कि आहिस्ता-आहिस्ता "सिटीजंस फार डेमोक्रेसी नाम की दिल्ली में जो संस्था है, उसके मि. एन. डी. पंचौली, मि. जी. एस. चड्ढा और मि. आर. एन. रंगेला-इन तीनों ने वहां जाकर यह फाइंडिंग्स की और इन्होंने यह कहा कि पंजाब में इस वक्त- "If terrorism still exists in Punjab, it seems to be from the side of Punjab police."

तो इस तरह से किसी को दबाव में लाकर उसकी जमीन से वंचित करना, उसकी प्रॉपर्टी से वंचित करना, जिस पर कि वह सोशल काम कर रहे हों, इसे रोका जाना चाहिए। मैडम, यह देश में लॉ-लैसनैस पैदा करता है। फिर अगर यह एक केस ही होता तो भी कुछ और बात है, लेकिन ऐसे कई केस गिने जा सकते हैं। खन्ना के पास नसराली एक गांव है। उस गांव की जमीन है, वहां के ही ऐसे मंत्री हैं और वह ऐसे ही लोगों पर दबाव डालकर कि किसी के खिलाफ झूठा केस बनाकर उस जमीन को ग्रैब करने की कोशिश कर रहे हैं और लोग बहुत दुखी हैं। इस तरह से लोगों में रिएक्शन बहुत खराब होता है कि जिन लोगों को कानून की रक्षा करनी है और पुलिस के साथ मिलकर करनी है, विधान की जिन्होंने सौगंध खायी है कि विधान के ऊपर चलेंगे, विधान का सत्कार करेंगे, वही जब ऐसा करना शुरू कर देते हैं तो लोग किस पर विश्वास करें?

**Not recorded.